

दानियेल की पुस्तक - संख्या अट्टानवे

एलियाह का त्रिविध अनुप्रयोग और अंतिम दिनों का न्याय: अन्वेषणात्मक और कार्यकारी चरणों की समझ

Jeff Pippenger

2024-02-29

एलियाह का तिहरा अनुप्रयोग यह दर्शाता है कि अंतिम दिनों में, अंतिम दिनों की शुरुआत में भी एक एलियाह होगा और अंतिम दिनों के अंत में भी। “अंतिम दिन” न्याय के दिन हैं; यह न्याय प्रगतिशील है और दो प्रकार के न्याय में विभाजित है: अन्वेषणात्मक न्याय, जो अंतिम दिनों की शुरुआत में आरंभ हुआ, और कार्यकारी न्याय, जो अंतिम दिनों के अंत में होता है। एलियाह का तिहरा अनुप्रयोग मुख्यतः उस कार्यकारी न्याय के इतिहास का प्रतिनिधित्व करता है, जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून से आरंभ होता है।

अन्वेषणात्मक न्याय उन लोगों तक सीमित है जिन्होंने परमेश्वर के अनुयायी होने का अंगीकार किया है, मुख्यतः प्रत्यक्ष अंगीकार द्वारा, परंतु अल्प मामलों में जीवनशैली के माध्यम से अप्रत्यक्ष अंगीकार द्वारा भी।

(क्योंकि व्यवस्था के सुनने वाले परमेश्वर के सामने धर्मी नहीं ठहरते, परन्तु व्यवस्था पर चलने वाले धर्मी ठहरेंगे। क्योंकि जब अन्यजाति, जिनके पास व्यवस्था नहीं है, स्वभाव ही से वे काम करते हैं जो व्यवस्था में लिखे हुए हैं, तो वे, यद्यपि उनके पास व्यवस्था नहीं है, स्वयं अपने लिए व्यवस्था हैं; जो यह दिखाते हैं कि व्यवस्था का काम उनके हृदयों पर लिखा हुआ है, और उनका विवेक भी गवाही देता है, और उनके विचार आपस में एक-दूसरे को कभी दोषी ठहराते और कभी दोषमुक्त ठहराते हैं।) रोमियों 2:13-15.

जांच-पड़ताल का न्याय दो मुख्य भागों में विभाजित है, क्योंकि यह उन मृतकों के जीवन की जांच से शुरू हुआ था (आदम के दिनों से आगे तक), जिन्होंने सच्चे परमेश्वर पर विश्वास करने का दावा किया था; और 11 सितंबर, 2001 को इसने ‘जीवितों के न्याय’ की जांच की प्रक्रिया शुरू की। मृतकों से जीवितों तक के क्रम के अलावा, जांच-पड़ताल के न्याय में एक और विभाजन है: न्याय की शुरुआत परमेश्वर के घर से होती है, और अंतिम दिनों में परमेश्वर का घर लाओदीकियाई एडवेंटाद है। जब शीघ्र आने वाले ‘रविवार के कानून’ के समय परमेश्वर के घर का न्याय समाप्त हो जाएगा, तब परमेश्वर की अन्य भेड़ों का, जो उस समय बाबुल में हैं, न्याय किया जाएगा।

कार्यकारी न्याय उन पर परमेश्वर का दंड है जिन्होंने उसके उद्धार के प्रस्ताव को अस्वीकार किया। कार्यकारी न्याय शीघ्र आने वाला रविवार का कानून लागू होने पर आरंभ होगा। तब संयुक्त राज्य अमेरिका अपना क्रोध का प्याला भर चुका होगा, जो उसकी परख की अवधि का प्याला भी है, और राष्ट्रीय धर्मत्याग के बाद राष्ट्रीय विनाश होगा। पृथ्वी का हर राष्ट्र रविवार का कानून लागू करने में संयुक्त राज्य अमेरिका के उदाहरण का अनुसरण करेगा, और तब उनमें से प्रत्येक राष्ट्र अपना प्याला भर देगा और राष्ट्रीय विनाश भी भुगतेगा।

“जब अमेरिका, जो धार्मिक स्वतंत्रता की भूमि है, विवेक को बाध्य करने और मनुष्यों को झूठे सब्त का आदर करने के लिए विवश करने में पोपतंत्र के साथ एक हो जाएगा, तब पृथ्वी के प्रत्येक देश के लोग उसके उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किए जाएंगे।” Testimonies, volume 6, 18.

कार्यकारी न्याय भी दो भागों में विभाजित है। संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून से लेकर उस समय तक, जब मीकाएल खड़ा होगा और मनुष्यों की परख का काल समाप्त हो जाएगा, परमेश्वर के न्याय दया के साथ मिश्रित रहते हैं; परन्तु जब मीकाएल खड़ा होगा, तो परमेश्वर के क्रोध में—जैसा कि सात अंतिम विपत्तियों के उँडेलने द्वारा प्रदर्शित है—किसी भी प्रकार की दया नहीं होगी। रविवार के कानून के संकट की अवधि के दौरान, मनुष्यों और राष्ट्रों पर होने वाले कार्यकारी न्याय दया के साथ मिश्रित होंगे, क्योंकि तब भी बाबेल में कुछ ऐसे लोग होंगे जिन्हें सब्त और

रविवार की उपासना के बीच का अंतर समझने का अवसर दिया जा रहा होगा।

हाय, काश लोग अपनी सुधि लिये जाने के समय को जान पाते! बहुत से ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक इस समय की परखने वाली सच्चाई नहीं सुनी है। बहुत से ऐसे हैं जिनके साथ परमेश्वर का आत्मा प्रयत्नशील है। परमेश्वर के विध्वंसकारी न्याय का समय उन लोगों के लिए दया का समय है जिन्हें यह सीखने का अवसर नहीं मिला कि सत्य क्या है। प्रभु उन पर करुणा से दृष्टि करेंगे। उनका करुणामय हृदय स्पर्शित होता है; बचाने के लिए उनका हाथ अब भी फैला हुआ है, जबकि जो प्रवेश करने को तैयार न थे उनके लिए द्वार बंद कर दिया गया है।

"परमेश्वर की दया उनके दीर्घ धैर्य में प्रकट होती है। वह अपना न्याय रोक रखे हुए है, इस प्रतीक्षा में कि चेतावनी का संदेश सबको सुनाया जाए। ओह, यदि हमारे लोग दुनिया को दया का अंतिम संदेश देने की जो जिम्मेदारी उन पर है, उसे वैसा ही महसूस करें जैसा उन्हें करना चाहिए, तो कितना अद्भुत कार्य हो जाता!" Testimonies, खंड 9, 97.

वह "परमेश्वर के विनाशकारी न्यायों का समय उन लोगों के लिए दया का समय है जिन्हें यह जानने का अवसर नहीं मिला कि सत्य क्या है।" वे दोनों "समय" एक साथ आरंभ होते हैं जब "द्वार बंद कर दिया जाता है" लाओदीकिया के उन एडवेंटिस्टों पर "जो प्रवेश नहीं करना चाहते थे।"

मैंने देखा कि पवित्र विश्रामदिन, परमेश्वर के सच्चे इस्राएल और अविश्वासियों के बीच विभाजन की दीवार है, और रहेगा; और यह कि विश्रामदिन ही वह बड़ा प्रश्न है जो परमेश्वर के प्रिय, प्रतीक्षा कर रहे संतों के हृदयों को एक करेगा। और यदि कोई विश्वास करे, और विश्रामदिन का पालन करे, और उससे जुड़ी आशीष पाए, और फिर उसे छोड़ दे, और पवित्र आज्ञा तोड़ दे, तो वह अपने ही विरुद्ध पवित्र नगर के फाटक बंद कर देगा—उतना ही निश्चित, जितना कि ऊपर स्वर्ग में राज्य करने वाला परमेश्वर है। मैंने देखा कि परमेश्वर के ऐसे लोग भी हैं जो विश्रामदिन को अभी न समझते हैं और न उसका पालन करते हैं। उन्होंने इसके संबंध में प्राप्त प्रकाश को अस्वीकार नहीं किया था। और क्लेश के समय के प्रारंभ में, जब हम आगे बढ़े और विश्रामदिन का संदेश और भी पूर्ण रूप से सुनाया, तो हम पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए। इससे कलीसिया और नाममात्र के एडवेंटिस्ट क्रुद्ध हो उठे, क्योंकि वे विश्रामदिन के सत्य का खंडन नहीं कर सकते थे। और इसी समय, परमेश्वर के चुने हुए सब ने स्पष्ट देखा कि हमारे पास सत्य है, और वे बाहर निकल आए और हमारे साथ सताव सहा। छोटे झुंड के लिए एक संदेश, 18, 19.

शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय द्वार बंद हो जाता है, जिससे रविवार के कानून से पहले की अवधि परमेश्वर के लोगों की "भेंट" का "समय" बन जाती है।

तुम कैसे कहते हो, 'हम बुद्धिमान हैं, और यहीवा की व्यवस्था हमारे पास है'? देखो, निश्चय ही इसे व्यर्थ ही बना दिया गया है; शास्त्रियों की कलम व्यर्थ है। बुद्धिमान लोग लज्जित हुए, वे घबरा गए और पकड़ लिए गए; देखो, उन्होंने यहीवा के वचन को अस्वीकार कर दिया है—तो उनमें कैसी बुद्धि है? इसलिए मैं उनकी पत्नियों को दूसरों को दे दूँगा, और उनके खेत उन लोगों को जो उन्हें विरासत में लेंगे; क्योंकि छोटों से लेकर बड़े तक हर एक लोभ में फँसा है, भविष्यद्वक्ता से लेकर याजक तक हर एक कपट से व्यवहार करता है। वे मेरी प्रजा की बेटी की चोट को ऊपरी तौर पर चंगा करते हैं, यह कहते हुए, 'शांति, शांति,' जबकि शांति है ही नहीं। क्या वे घृणित काम करने पर लज्जित हुए? नहीं, वे तनिक भी लज्जित नहीं हुए, न वे लज्जा से लाल हो सके; इसलिए वे गिरने वालों के बीच गिरेंगे; उनकी मुसीबत के समय वे गिरा दिए जाएँगे, यहीवा की यह वाणी है। यिर्मयाह 8:8-12.

प्राचीन इस्राएल के साथ जैसा, वैसा ही आधुनिक इस्राएल के साथ भी: दोनों नाश हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी सुधि लिये जाने के समय को नहीं पहचाना। लाओदीकियाई एडवेंटवाद के लिए परमेश्वर की सुधि लेने का समय 11 सितंबर, 2001 को आरंभ हुआ और शीघ्र आने वाले रविवार के कानून पर समाप्त होगा।

और जब वह पास आया, तो उसने नगर को देखा और उस पर रोया, यह कहते हुए, काश तू, हाँ तू ही, कम से कम इसी अपने दिन में उन बातों को जानता जो तेरी शांति के लिए हैं! पर अब वे तेरी आँखों से छिप गई हैं।

क्योंकि ऐसे दिन तुझ पर आएँगे, जब तेरे शत्रु तेरे चारों ओर खाई खोदेंगे, तुझे चारों ओर से घेरेंगे, और हर ओर से तुझे बंद कर देंगे; और वे तुझे और तेरे भीतर के बच्चों को भूमि के समान समतल कर देंगे, और तुझ में एक पत्थर पर दूसरा पत्थर नहीं छोड़ेंगे; क्योंकि तूने अपनी सुधि लेने के समय को नहीं पहचाना। लूका 19:41-44.

परमेश्वर के आगमन के समय बुद्धिमान और मूर्ख सदैव के लिए अलग कर दिए जाते हैं।

"हम जानते हैं कि असमर्पित सातवें दिन के एडवेंटिस्ट, जिन्हें सत्य का ज्ञान है, परंतु जिन्होंने अपने आप को सांसारिक लोगों के साथ जोड़ लिया है, वे भ्रामक आत्माओं की ओर ध्यान देकर विश्वास से पूरी तरह हट जाएंगे। शत्रु उन्हें प्रसन्नतापूर्वक प्रलोभन देगा, ताकि उन्हें परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध युद्ध छेड़ने के लिए प्रेरित कर सके। परंतु जो सच्चे और अडिग हैं, उन्हें परमेश्वर में एक दृढ़ और सामर्थी रक्षा प्राप्त होगी।" Manuscript Releases, खंड 7, 186.

उनकी भेंट का समय 11 सितंबर 2001 को आरंभ हुआ, जिसका प्रतिरूप 11 अगस्त 1840 को प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं पर हुई भेंट के समय में था, और जैसा कि प्राचीन इस्राएल के लिए भेंट का समय तब शुरू हुआ था जब पवित्र आत्मा मसीह के बपतिस्मा के समय उतरा।

कार्यान्वयनात्मक न्याय तब आरम्भ होता है जब संयुक्त राज्य अमेरिका शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय अपने परीक्षाकाल का प्याला भर देता है; उसी समय लाओदीकियन एडवेंटिस्ट कलीसिया भी अपना प्याला भर देती है। न्याय परमेश्वर के घर से आरम्भ होता है, और संयुक्त राज्य के दोनों भ्रष्ट सींगों के परीक्षाकाल का प्याला भर जाता है। प्रोटेस्टेंटवाद का वह भ्रष्ट सींग, जिसका प्रतिनिधित्व पहले लाओदीकियन एडवेंटिस्ट कलीसिया द्वारा किया गया था, तब समाप्त हो जाता है, और तीसरे दूत का फिलाडेल्फियाई आंदोलन तब प्रोटेस्टेंटवाद का सच्चा सींग तथा एक पताका के रूप में ऊँचा उठाया जाने वाला आत्मिक यरूशलेम होता है। उस समय यरूशलेम युद्धरत कलीसिया से विजयी कलीसिया में परिवर्तित हो जाता है।

कार्यकारी न्याय की शुरुआत परमेश्वर के विनाशकारी न्यायों के समय से होती है; यही समय बाबुल में अभी भी पड़े परमेश्वर के अन्य झुंड के लिए दया का समय भी है। यह तब शुरू होता है जब लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म पर परमेश्वर के न्यायिक आगमन का समय समाप्त हो जाता है। कार्यकारी न्याय आगे बढ़कर सात अंतिम विपत्तियों तक पहुँचता है, जहाँ न्याय अब दया के साथ मिश्रित नहीं रहता, और तब यीशु लौट आते हैं।

जब यीशु लौटेंगे, तो प्रकाशितवाक्य के बीसवें अध्याय में वर्णित सहस्राब्दी (एक हजार वर्ष) यह दर्शाती है कि शैतान उजाड़ पड़ी पृथ्वी पर बंधा रहेगा, और उसके साथ केवल वे विद्रोही स्वर्गदूत होंगे जिन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध आक्रमण में भाग लिया था।

और मैंने देखा कि स्वर्ग से एक दूत उतरता आया, जिसके हाथ में अथाह कुंड की कुंजी और एक बड़ी जंजीर थी। और उसने उस अजगर को, अर्थात् उस पुराने सर्प को जो इब्लीस और शैतान है, पकड़ लिया, और उसे एक हज़ार वर्ष के लिए बाँध दिया, और उसे अथाह कुंड में डाल दिया, और उसे बन्द कर दिया, और उस पर मुहर कर दी, ताकि वह हज़ार वर्ष पूरे होने तक राष्ट्रों को फिर न भरमाए; और उसके बाद उसे थोड़े समय के लिए छोड़ दिया जाएगा। प्रकाशितवाक्य 20:1-3.

उस हज़ार वर्ष के दौरान उद्धार पाए हुए लोग उन खोए हुए लोगों पर अन्वेषणात्मक न्याय करेंगे जो अभी भी अपनी कब्रों में सो रहे हैं और अपने-अपने न्याय के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उद्धार पाए हुए लोग शैतान और उसके स्वर्गदूतों सहित खोए हुए लोगों के जीवन और परिस्थितियों का विचार करेंगे, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि हज़ार वर्ष के अंत में किसे अधिक दंड का अधिकारी ठहराया जाए।

और मैंने सिंहासन देखे, और वे उन पर बैठे; और उन्हें न्याय करने का अधिकार दिया गया। और मैंने उन लोगों की आत्माएँ देखीं, जिनके सिर यीशु की गवाही और परमेश्वर के वचन के कारण काटे गए थे, और जिन्होंने न तो पशु की पूजा की थी, न उसकी मूर्ति की, और न ही उसके चिन्ह को अपने माथे पर या अपने हाथों में लिया था;

और वे जीवित हुए और मसीह के साथ एक हजार वर्ष तक राज्य किया। प्रकाशितवाक्य 20:4.

इसलिए सहस्राब्दी के दौरान एक जांचात्मक न्याय होता है, जो पूरा होने पर, जब दुष्ट मृतकों को पुनर्जीवित किया जाता है, अंतिम कार्यकारी न्याय लाता है; और तब शैतान, जिन पर उसका पूरा नियंत्रण होता है, दुष्टों को यरूशलेम पर आक्रमण करने के लिए उकसाता है, जो हजार वर्षों के अंत में स्वर्ग से नीचे उतरता है। जैसे ही दुष्ट अपना आक्रमण आरंभ करते हैं, स्वर्ग से आग उतरती है और अंतिम कार्यकारी न्याय संपन्न हो जाता है।

और जब हजार वर्ष पूरे हो जाएंगे, शैतान अपने कारागार से छोड़ा जाएगा, और वह पृथ्वी के चारों कोनों में रहने वाली जातियों—गोग और मागोग—को धोखा देने के लिए बाहर निकलेगा, ताकि उन्हें युद्ध के लिए इकट्ठा करे; जिनकी संख्या समुद्र की रेत के समान है। और वे पृथ्वी की चौड़ाई पर चढ़ आए, और पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगर को चारों ओर से घेर लिया; और स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से आग उतरी और उन्हें भस्म कर दिया। प्रकाशितवाक्य 20:7-9.

यद्यपि एलिय्याह और उस दूत के त्रिगुणी अनुप्रयोग, जो वाचा के दूत के अपने मन्दिर में सहसा आने के लिए तैयारी करता है, आपस में घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं, फिर भी उनके कार्यों में यह भेद देखा जा सकता है कि एलिय्याह मुख्यतः दूत के कार्य और दूत के संदेश से सम्बद्ध आन्दोलन की पहचान करता है, जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के साथ आरम्भ होने वाले कार्यकारी न्याय के दौरान सम्पन्न होता है। वाचा के दूत के लिए मार्ग तैयार करने वाला दूत मुख्यतः उस कार्य की पहचान करता है जो अन्वेषण न्याय के दौरान सम्पन्न होता है। लाओदीकियाई एडवेंटवाद अपने परिदर्शन के समय को नहीं जानता, जो न्याय के एक विशिष्ट समय-काल का प्रतिनिधित्व करता है।

वे अपने दर्शन के समय प्रचारित होने वाले "वर्तमान सत्य" के संदेश को भी नहीं समझते। उन्हें न्याय और उन दिनों के संदेश, दोनों को जानना आवश्यक था। उन्हें उस काल के दूत को भी पहचानना आवश्यक था। अपनी लाओदीकियाई अंधता में वे उस घड़ी के संदेश का विरोध करते हैं, "शांति और सुरक्षा" के संदेश के द्वारा अपने दर्शन के समय को नकारते हैं, और इस बात को लेकर अनिश्चित रहते हैं कि उस काल का चुना हुआ दूत कौन है। यह सत्य दूसरे एलिय्याह, जो बपतिस्मा देनेवाले यूहन्ना थे, की गवाही में स्पष्ट रूप से दिखाया गया था।

यहूदी जानते थे कि भविष्यवाणी एक आने वाले दूत की ओर संकेत करती थी, और यीशु ने सीधे तौर पर सिखाया कि यूहन्ना वही दूत था जो आने वाला था।

क्योंकि सभी भविष्यद्वक्ताओं और व्यवस्था ने जॉन तक भविष्यवाणी की। और यदि तुम इसे स्वीकार करना चाहो, तो यह एलियास है, जो आने वाला था। जिसके पास सुनने के कान हों, वह सुने। मैथ्यू 11:13-15.

उनके परिदर्शन की अवधि के बिलकुल अंत में (मसीह के इतिहास का वह समय जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून का प्रतिरूप है), जब मसीह क्रूस पर लटके हुए थे, यहूदियों ने यह अटकलबाज़ी की कि क्या एलिय्याह तब यीशु को बचाने आएगा। यदि वे उस दूत को नहीं पहचान पाए जो वाचा के दूत के आने के लिए मार्ग तैयार करने वाला था, जबकि वह वाचा का दूत उसी समय अपने ही लहू से वाचा की पुष्टि कर रहा था, तो वे अपने मसीह को पहचान ही नहीं सकते थे। अंतिम दिनों में लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म के लिए यह आवश्यक है कि वे अपने न्याय को जानें, जो उनके परिदर्शन का समय है। उन्हें उस काल का संदेश पहचानना आवश्यक है, और उन्हें उस समय के चुने हुए दूत को भी पहचानना आवश्यक है। 1888 की बगावत का प्रतीक 11 सितंबर, 2001 था, जब प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह का स्वर्गदूत उतरा। 1888 के विद्रोहियों ने उस इतिहास के चुने हुए दूतों को मान्यता देने से इनकार कर दिया, जो अंतिम दिनों का प्रतिरूप था।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

क्योंकि इस प्रकार इस्राएल के परमेश्वर यहोवा ने मुझसे कहा: मेरे हाथ से मेरे प्रकोप के दाखमधु का यह प्याला ले, और जिन-जिन जातियों के पास मैं तुझे भेजता हूँ, उन्हें उसे पीने को दे। और वे पिएँगे, और डगमगाएँगे, और उन्मत्त हो जाएँगे, क्योंकि मैं उनके बीच जो तलवार भेजूँगा उसके कारण। तब मैंने यहोवा के हाथ से वह प्याला

लिया, और जिन-जिन जातियों के पास यहोवा ने मुझे भेजा था, उन्हें पिलाया: अर्थात् यरूशलेम, और यहूदा के नगर, और उनके राजा, और उनके हाकिम—ताकि उन्हें उजाड़, विस्मय, सीटी का विषय और शाप बनाया जाए; जैसा आज के दिन है; मिस्र के राजा फिरौन, और उसके सेवक, और उसके प्रधान, और उसकी सारी प्रजा; और सब मिश्रित लोग; और उज देश के सब राजा; और पलिशतियों के देश के सब राजा—अश्कलोन, अज्जा, और एक्रोन, और अश्दोद के बचे हुए; एदोम, मोआब, और अम्मोन के पुत्र; और टाइरस के सब राजा, और सिदोन के सब राजा, और समुद्र के उस पार के द्वीपों के राजा; देदान, तेमा, और बूज़, और जो सबसे दूर कोनों में हैं सब; और अरब के सब राजा, और जंगल में बसने वाले मिश्रित लोगों के सब राजा; और ज़िम्मी के सब राजा, और एलाम के सब राजा, और मादीयों के सब राजा; और उत्तर के सब राजा, दूर और पास, एक के साथ एक; और पृथ्वी के ऊपर के सब राज्य; और उनके बाद शेशक का राजा भी पिएगा। इसलिए तू उनसे कहना, सेनाओं का यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर, यूँ कहता है: पियो, और मतवाले हो, और उगलो, और गिरो, और फिर न उठो, क्योंकि मैं तुम्हारे बीच जो तलवार भेजूँगा उसके कारण। और यदि वे तेरे हाथ से प्याला लेकर पीने से इन्कार करें, तो तू उनसे कहना, सेनाओं का यहोवा यूँ कहता है: तुम अवश्य पियोगे। क्योंकि देखो, मैं उस नगर पर विपत्ति लाना शुरू करता हूँ जो मेरे नाम से कहलाता है, तो क्या तुम बिलकुल निर्दोष छोड़े जाओगे? तुम निर्दोष नहीं छोड़े जाओगे; क्योंकि मैं पृथ्वी के समस्त निवासियों पर तलवार बुलाऊँगा, सेनाओं का यहोवा कहता है। इसलिए तू इन सब वचनों से उनके विरुद्ध भविष्यद्वाणी कर, और उनसे कह: यहोवा ऊँचाई से गरजेगा, और अपने पवित्र निवास से अपनी वाणी सुनाएगा; वह अपने निवास-स्थान पर प्रबलता से गरजेगा; वह अंगूर कुचलने वालों के समान पुकारेगा, पृथ्वी के सब निवासियों के विरुद्ध। कोलाहल पृथ्वी के सिरों तक पहुँचेगा; क्योंकि यहोवा का जातियों से विवाद है, वह सब प्राणियों से न्याय करेगा; वह दुष्टों को तलवार के वश में कर देगा, यहोवा की यह वाणी है। सेनाओं का यहोवा यूँ कहता है: देखो, विपत्ति एक जाति से दूसरी जाति पर निकल पड़ेगी, और पृथ्वी के किनारों से एक बड़ा बवंडर उठाया जाएगा। और उस दिन यहोवा के मारे हुए पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक होंगे; न उनके लिए विलाप किया जाएगा, न उन्हें बटोरा जाएगा, और न दफनाया जाएगा; वे भूमि पर खाद समान पड़े रहेंगे। यिर्मयाह 25:15-33.